JAH-19070301011000 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. I) (CBCS) Examination

November - 2019

Hindi : Core - 101

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ सिद्ध कीजिए 'जयद्रथ वध' एक सफल खण्डकाव्य है । १५

अथवा

१ गुप्तजी के जीवन – कवन पर प्रकाश डालिए । १५

२ अर्जुन का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

अथवा

२ अभिमन्यु का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं तीन की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । १५

(१) ''होता प्रविष्ट मृगेन्द्र – शावक ज्यों गजेन्द्र समूह में,
करने लगा वह शौर्य त्यों उन वैरियों के व्यूह में ।''

(२) ''हे सारथे ! हैं द्रौण क्या, देवेन्द्र भी आकर अड़े,
है खेल क्षत्रिय बालकों का व्यूह भेदन कर लड़े ।''

(३) ''परिणाम को सोचे बिना जो लोग करते काम है,
वे दुःख में पड़कर कभी पाते नहीं विश्राम है ।''

(४) ''रण में मरण क्षत्रिय जनों को स्वर्ग देता है सदा
है कौन ऐसा विश्व में जीता रहे जो सर्वदा ।''

(५) ''सूर्यास्त से पहले न जो मैं कल जयद्रथ वध करुँ,
तो शपथ करता हूँ स्वयं मैं ही अनल में जल मरुँ ।''

४ गुप्तजी की रचनाओं में जयद्रथ वध का स्थान निर्धारित कीजिए । १५

अथवा

४ ' जयद्रथ वध' खण्डकाव्य के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए । १५

५ मैथिलीशरण गुप्तजी के काव्य की सामान्य विशेषताएँ । १०

अथवा

५ जयद्रथ वध का संक्षिप्त कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १०